मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

दीक्षांत समारोह विशेषांक, सितंबर 2024

ऊंच–नीच और जात–पात को पीछे छोड़ बनाएं विकसित भारत, ईश्वर के दरबार में सब एक

36वें दीक्षांत समारोह में बोलीं राज्यपाल · प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 वर्षों के कार्यों की सराहना की

सरकारी नौकरी का चक्कर छोड़ो

खुद व देश पर विश्वास रखें

220 मेधावियों को स्वर्ण पदक

न्यूट्रीशन वीक : गृह विज्ञान विभाग में नेशनल न्यूट्रीशन वीक के अंतर्गत छात्राओं ने न्यूट्रिशन क्वीन, स्तनपान की महत्ता पर नुक्कड़ नाटक, डायट काउंसलिंग कैंप एवं पोस्टर प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया।

सीसीएसयू देश के शीर्ष 200 विश्वविद्यालयों में शामिल

एनआइआरएफ इंडिया रैंकिंग में यूनिवर्सिटी बैंड 151–200 और राज्य विश्वविद्यालयों की कैटेगरी में बैंड 51–100 में मिली जगह

विश्वविद्यालय को पहली बार मिली इस उपलब्धि में हर शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी का संयुक्त प्रयास व योगदान है। इसके साथ ही राजभवन और राज्यपाल से मिले निरंतर मार्गदर्शन से रैंकिंग में प्रतिभाग करने का प्रोत्साहन मिला, जिसका परिणाम सुखद है। पूरे विश्वविद्यालय परिवार को इस उपलब्धि के लिए बधाई।

प्रो. संगीता शुक्ला, कुलपति, सीसीएसयू

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को पहली बार नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क यानी एनआइआरएफ इंडिया रैंकिंग 2024 में स्थान मिला है। एनआइआरएफ की ओर से जारी इस वर्ष की रैंकिंग में सीसीएसयू देश के टाप-200 विश्वविद्यालयों में स्थान बनाने में सफल रहा है। सीसीएसयू को यूनिवर्सिटी रैंकिंग बैंड 151–200 में स्थान मिला है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान यह पहला मौका है जब विश्वविद्यालय को रैंकिंग में शामिल किया गया और देश के सर्वश्रेष्ठ 200 विश्वविद्यालयों में रैंक मिली है।

इसके साथ ही सीसीएसयू ने राज्य विश्वविद्यालयों में और बेहतर प्रदर्शन किया है। राज्य विश्वविद्यालयों की कैटेगरी में सीसीएसयू को यूनिवर्सिटी बैंड 51–100 में स्थान मिला है। इस कैटेगरी में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में सीसीएसयू के अलावा बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी झांसी, हारकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी और महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड यूनिवर्सिटी बरेली शामिल हैं।

राज्य विश्वविद्यालयों की टाप-50 सूची में किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ, लखनऊ विश्वविद्यालय और मदन मोहन मालवीय तकनीकी विश्वविद्यालय गोरखपुर शामिल हैं। सीसीएसयू को इससे पहले नैक यानी नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडिटेशन काउंसिल के मूल्यांकन में ए प्लस प्लस रैंक मिली थी। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग क्यूएस इंटरनेशनल रैंकिंग में विश्वविद्यालय को पहली बार स्थान मिला। इसके अलावा रिसर्च रैंकिंग और शोध क्षेत्र में मिले पेटेंट और रिसर्च पेपर के आधार पर मिलने वाली साइंटिफिक रैंकिंग में भी विश्वविद्यालय ने सराहनीय प्रदर्शन किया।

विश्वविद्यालय की हालिया उपलब्धियां

- नैक मूल्यांकन में 3.66 सीजीपीए के साथ ए प्लस प्लस रैंक
- रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2023 में राज्य विश्वविद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ
- वुमन इन रिसर्च कैटेगरी एक्सीलेंस साइटेशन अवार्ड 2023
- खेलो इंडिया 2023 में प्रदेश में पहला स्थान
- एमडीआरए-इंडिया टुडे की बेस्ट यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2023 में राज्य विश्वविद्यालयों में तीसरी रैंक
- पेटेंट प्राप्त करने वाले विश्वविद्यालयों में देश में चौथा स्थान
- एमडीआरए-इंडिया टुडे की बेस्ट यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2023 में देश में 21वीं रैंक
- क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में दक्षिण एशिया में 219वीं रैंक
- सिमैगो इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग 2024 में प्रदेश में पहली और देश में 35वीं रैंक
- पिछले पांच वर्षों का एच-इंडेक्स 43 है-एक्सीलेंट कैटेगरी
- औसत साइटेशन 11.4-वेरी इम्प्रेसिव कैटेगरी
- पब्लिकेशन का हाइएस्ट इम्पैक्ट फैक्टर 24.7 है
- पीएम-ऊषा योजना में केंद्र से मिले 100 करोड़

जयंत से मिली विश्वविद्यालय की टीम, नए कौशल विकास कोर्स पर मंथन

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं जल्द ही पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार के लिए भी प्रशिक्षित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तेजी से अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के नेतृत्व में शुक्रवार 6 सितंबर को सीसीएसयू की पांच प्रोफेसर की टीम ने नई दिल्ली स्थित मंत्रालय में केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी से मुलाकात की और शिक्षण व कौशल प्रशिक्षण के क्रियान्वयन संबंधी मुद्दों पर चर्चा की और नए कोर्स शुरू करने को लेकर योजना बनाई।

इस दौरान जयंत चौधरी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय की टीम की मैटा स्कीमी और विश्व बैंक के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। जयंत चौधरी ने भविष्य की

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी से भेंट कर विश्वविद्यालय में शिक्षण व कौशल प्रशिक्षण के क्रियान्वयन सम्बन्धित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

जरूरत के मद्देनजर छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ रोजगार के लिए भी तैयार कराने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि छात्र-छात्राओं को विदेशी भाषा जैसे जर्मन व जापानी भी सिखाई जाएं ताकि उनको इन देशों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें।

इस अवसर पर प्रोफेसर प्रदीप चौधरी, प्रोफेसर वीरपाल, प्रोफेसर हरे कृष्णा और प्रोफेसर बिंदु शर्मा भी मौजूद रहीं।

सीसीएसयू में बना ओपन जिम

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विवि परिसर में अब शहर वासियों को जिम करने का मौका भी मिलेगा। परिसर स्थित तपोवन के पास स्पोर्ट्स ग्राउंड के बराबर में एक ओपन जिम बन गया है। जिम में दस मशीनें लगी हैं। परिसर में यह पहला ओपन जिम है। विवि परिसर में ओपन जिम की यह सौगात राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने दी है।

डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने सांसद निधि से कैंपस में यह ओपन जिम तैयार कराया है। विवि ने केवल स्थान दिया है। बृहस्पतिवार को ओपन जिम में विभिन्न व्यायामों के लिए दस मशीनें स्थापित हो गईं।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादकीय सलाहकार** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, **संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के छात्र-छात्राएं।

शिष्टाचार भेंट : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के कुलसचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय से लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की।

ललित कला विभाग के नए भवन का लोकार्पण

परिसर संवाददाता

मेरठ। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान कुलाधिपति और राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय स्थित ललित कला विभाग के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी किया।

इस अवसर पर कला प्रदर्शनी का भी हुआ आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी को दूसरे विभागों के विद्यार्थियों और आम जनों को भी देखने के लिए खोला गया।

'आभूषण डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी' कोर्स शुरू

परिसर संवाददाता

मेरठ। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने परिसर में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर (एनआईटीजे) के संयुक्त तत्वाधान में शुरू हुए 'आभूषण डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी' कोर्स का लोकार्पण भी किया। इस दौरान पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

'वीकेंड अभिव्यक्ति' में हो रहा प्रतिभा का प्रदर्शन

परिसर संवाददाता

मेरठ। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में प्रत्येक शनिवार को 'वीकेंड अभिव्यक्ति' कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस शैक्षणिक सत्र में अभी तक तीन बार इस कार्यक्रम का आयोजन हो चुका है, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

'वीकेंड अभिव्यक्ति' कार्यक्रम के तहत सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त बीते हफ्ते के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा किए गए रचनात्मक कार्यों को वीडियो, पीपीटी आदि के माध्यम से दर्शाया जाता है।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाता है।

तिलक स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं के सामान्य ज्ञान के स्तर को बढ़ाना, उनके अंदर की बोलने की झिझक को दूर करके उन्हें भाषण कला में कुशल बनाना और उनके अंदर की रचनात्मक रुचियों को सामने लाना है।

पत्रकारिता विभाग की कार्यप्रणाली को जाना

परिसर संवाददाता

मेरठ। पिछले दिनों दो स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय स्थित तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल का भ्रमण किया और पत्रकारिता विभाग की कार्यप्रणाली को जाना।

केएल इंटरनेशनल स्कूल के माध्यमिक विंग के छात्रों ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता व जनसंचार विभाग का शैक्षिक भ्रमण किया। उन्होंने वहां प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया कक्ष में जाकर समाचार पत्र छापने की पूरी प्रक्रिया को गहनता से देखा और एकरिंग के विविध गैजेट्स की जानकारी ली। प्रधानाचार्य सुधांशु शेखर ने वहां से लौटे छात्र दल से बातचीत करते हुए उनके अनुभवों को जाना।

इसके अतिरिक्त शास्त्रीनगर स्थित बालेराम ब्रजभूषण सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं ने भी विभाग का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने अखबार बनाने, रेडियो स्टेशन के संचालन और टीवी स्टूडियो की कार्यप्रणाली को समझा। उन्होंने प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाएं भी शांत की और अपने इस भ्रमण को बेहद उपयोगी बताया।

केएल इंटरनेशनल स्कूल के छात्र।

बालेराम ब्रजभूषण सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र।

प्रो. संजीव शर्मा जगजीवन राम शोधपीठ के निदेशक बने

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. संजीव शर्मा को बाबू जगजीवन राम शोधपीठ का निदेशक बनाया गया है। नई जिम्मेदारी मिलने पर विवि प्रशासन, शिक्षक और छात्रों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। प्रो. संजीव शर्मा ने पद की जिम्मेदारियों को पूरे मनोयोग से निभाने की बात कही है।

कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने निर्देश जारी किए हैं, जिनमें कहा गया है कि प्रो. संजीव शर्मा तत्काल प्रभाव से विवि परिसर स्थित बाबू जगजीवन राम शोध पीठ के निदेशक के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगे। आदेशों में कहा गया है कि अग्रिम आदेशों तक उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है।

प्रो. संजीव शर्मा ने नई जिम्मेदारी मिलने पर इसे बेहतर तरीके से निभाने की बात कही है।

तिलक स्कूल के दो शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह में तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के दो शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक, शिक्षक, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने इस पर हर्ष व्यक्ति किया और दोनों पीएचडी उपाधिधारकों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

डॉ. बीनम यादव ने 'भारतीय ज्ञान परंपरा' पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया है। डॉ. बीनम यादव की पीएचडी उपाधि तिलक पत्रकारिता स्कूल से पहली पीएचडी उपाधि है। डॉ. बीनम यादव ने यह शोध कार्य तिलक स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार के निर्देशन में पूरा किया है।

दूसरी पीएचडी उपाधि डॉ. भाष्कर को अवार्ड हुई है। डॉ. भाष्कर ने भी अपना शोध कार्य प्रोफेसर प्रशांत कुमार के निर्देशन में पूर्ण किया है। उल्लेखनीय है कि तिलक पत्रकारिता स्कूल में प्रोफेसर प्रशांत कुमार और डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में कई शोधार्थी विभिन्न विषयों पर शोध कार्य में जुटे हुए हैं।

अपने गाइड प्रोफेसर प्रशांत कुमार (बीच में) के साथ डॉ. बीनम यादव और डॉ. भाष्कर।

220 को पदक : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मेधावी छात्र-छात्राओं में 220 को पदक तथा 87,758 को उपाधि प्रदान की गई।

दीक्षोत्सव

उपलब्धि | मेडल और प्रमाणपत्र पाने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ कुलाधिपति (बीच में), मुख्य अतिथि और विश्वविद्यालय की कुलपति।

शोभायात्रा के लिए तैयार कुलाधिपति, मुख्य अतिथि, कुलपति और विश्वविद्यालय कार्य परिषद के सदस्य।

समारोह से पहले एनसीसी कैडेट्स से गार्ड ऑफ ऑनर लेतीं कुलाधिपति और कुलपति।

समारोह में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और आवासीय विद्यालय की बालिकाओं को उपहार भी भेंट किए गए।

दीक्षांत समारोह में मौजूद शिक्षक, छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक।